

Παρορμαίων διόρθωσις.

| σελ. | στιχ. | τετυπωμέν. | διόρθου. |
|------|-------|---------------|---------------|
| 293. | 26. | ᾠβράψετε | ὠβράψετε |
| 299. | 8. | οὔδρησній | οὔτρησній |
| 302. | 24. | ὠ πρεβελίκαγω | ᾠ πρεβελίκαγω |
| 315. | 21. | "Ιδωλη | "Ιδωλῶ |
| 319. | 31. | βόды | водῶ |
| 322. | 4. | βόνнскдю | βόνнскою |
| 327. | 10. | грнзѣтз | грнзѣтз |
| 330. | 10. | не снѣлса | не снѣлса |
| 331. | 29. | на вѣсь | на вѣсз |
| 332. | 11. | тρωфѣй | тρωфѣй |
| 341. | 27. | Пернатїй | Пернатый |
| 343. | 3. | грѣдз | грѣдъ |
| 344. | 13. | колѣвы | кольѣвы |

„Εν δὲ σελίδι 170. στιχ. 14. μετὰ τὴν λέξιν. Попеченій. πρόσθεσ, ничтѣже ἴзнесѣмз, ниже на оὔτρο ὠστáвимз, ἴκω ниже ἴзнѡсна внѣшнимз мнѡга нáшнхз тáннз, ниже по нѡщн сѣй ἔсть кѡеливо ὠчнщѣнїе, ἢ ἔже ᾠложенїа не-похвáлно, ἢ ἔже слѡвѣ причащáющимса. "Икоже во гнѣ-вѣ не предѣнствовати, но предразрѣшáти сѡлнца, добрѡ ἢ бѡгѣ любѣзно: врѣменнѣ же ἢ возбѡднѣ. (заходѣти бо, гнѣβαющимса нáмз не невлáзненно, прáвды сѡлнца,) Тáкω таковоἰ снѣди не пренощевáти, ниже на дрѣгїй дѣнь ᾠлагáти.

„καὶ ἐν σελ. 174. (τουτέστιν 176. διὰ τὸ λάθος τῶν σελδ.) στιχ. 15. μετὰ τὴν λέξιν послѣδш. πρόσθεσ, "Ище сра-пнѣшнса ἴκω рáзвѡйникз, ἴκω блáгорáзѣменз познáй бѡга: ἄще сáмз со беззакѡннымн вѣтѣннса, тебѣ рáди ἢ твоегѡ рáди грѣхá, тѣ вѣди днáгω рáди закѡненз. по-клоннса тебѣ рáди повѣшенномѣ, ἢ вѣсá стáжбáй нѣ-что ἢ ᾠ слѡвы, кѣпн смѣртїю спáсѣнїе: вз рáй внїди со 'Исѣсомз, да оὔвѣси, ἢ хже ᾠпáлз ἔси: ἴже тáмω до-